अनुक्रमणिका

भूमिका -

प्रथम अध्याय - - 1 - 72

प्रगतिवाद चिंतन अनुचिंतन :-

प्रगतिवाद शब्द विवेचन, प्रगतिवाद मार्क्सवादी विचारधारा का हिंदी रुपांतरण, प्रगतिवादी चिंतनमें कार्लमार्क्स के पूर्व चिंतक और अन्य चिंतकोंके विचार, मार्क्स का द्वंद्वात्मक भौतिकवाद और ऐतिहासिक भौतिकवाद का समग्र विवेचन, वर्गसंघर्ष की कल्पना, भारतमें प्रगतिशील चिंतन के कारण, प्रगतिशील लेखक संघ अधिवेशन, प्रगतिवादी आंदोलन की पृष्ठभूमि, प्रगतिवादी कवियोंकी नारी विषयक भावना, प्रगतिवादी साहित्य की विशेषता, प्रगतिवादी साहित्य का प्रतिफलन।

द्वितीय अध्याय - 73 - 104

डॉ. शिवमंगल सिंह सुमन जीवनवृत्त, व्यक्तित्व एवं कृतित्व :-

जीवनी	:	जन्म, पारिवारिक जीवन, विद्यार्थी जीवन, शिक्षा एवं कार्यक्षेत्र
व्यक्तित्व	:	स्वभाव, कुशल वक्ता, कुशल अध्यापक, प्रशासक मानवीय रुपमें
कृतित्व	:	हिल्लोल, जीवन के गान, प्रलयसृजन, विश्वास बढ़ता ही गया, पर आँख नहीं भरी, विंध्य हिमालय, मिट्टी की बारात, वाणी की व्यथा
नाटक	:	प्रकृति पुरुष कालिदास
काव्यसंकलन		सप्तपर्णा, मधुछंदा, नाविका, अनुपूर्वा, आधुनिक काव्यधारा, छायावादोत्तर काव्यधारा

तृतीय अध्याय - 105 - 138

सुमनजी का प्रगतिवादी काव्य सामान्य परिचय वस्तुविवेचन :-

प्रवृत्तियाँ :- प्राचीन रुढ़ियों तथा वर्गभेद का विरोध, आर्थिक और सामाजिक शोषण के प्रति विद्रोह, आर्थिक साधन तथा कलासंबंधी विचार, रुस और मार्क्स का गुणगान, पूँजीवादी, सामंतवादी व्यवस्था का विरोध, शोषितोंके प्रति सहानुभूति और क्रांतिका संदेश, सामयिक समस्याओंका विश्लेषण, तथा साहित्यकारोंका गुणगान, आस्था और विश्वासका स्वर, जगत् का उत्थान एवं विकास तथा पतनसंबंधी विचार।

चतुर्थ अध्याय - 139 - 171

सुमनजीका प्रगतिवादी काव्य : शिल्पविधान :-

1. छंद विधान		मात्रिक छंद, लयात्मक मुक्तछंद, लयहीन मुक्तछंद, गेय छंद

2. अलंकार विधान — शब्दालंकार और अर्थालंकार

3. शैली विधान — उद्‌बोधनात्मक शैली, व्यंग्यात्मक शैली, वर्णनात्मक शैली, संवादात्मक शैली, प्रतिकात्मक शैली, लोकगीत शैली

4. गुण विधान — ओज

5. शब्दशक्ति एवं भाषा — (क) अभिधा (ख) लक्षणा (ग) व्यंजना

6. बिंब विधान

पंचम अध्याय - 172 - 204

हिंदी के प्रतिनिधि प्रगतिवादी कवि और सुमनजी का तुलनात्मक अनुशीलन :-

नागार्जुन और डॉ. शिवमंगलसिंह सुमन, सुमित्रानंदन पंत और डॉ. शिवमंगलसिंह सुमन, सुर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' और डॉ. शिवमंगलसिंह सुमन, गजानन माधव 'मुक्तिबोध' और डॉ. शिवमंगलसिंह सुमन, केदारनाथ अग्रवाल और डॉ. शिवमंगलसिंह सुमन, डॉ. रामविलास शर्मा और डॉ. शिवमंगलसिंह सुमन, शमशेर बहादुर सिंह और डॉ. शिवमंगलसिंह सुमन।

षष्ठ अध्याय - 205 - 209

उपसंहार :-

संदर्भ ग्रंथ सूचि